

B. A. 5th Semester (General) Examination, 2021 (CBCS)

**Subject : Sanskrit**

**Paper : SEC III**

Time : 2 Hours

Full Marks : 40

*The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

প্রশ্নপত্রেহস্মিন্ Group-'A' তথা Group-'B' ইতি বিভাগদ্বয়ং বর্ততে। প্রথমতঃ পরীক্ষার্থিভিঃ সাবধানতয়া স্বপঠিত একো বিভাগো নিশ্চেতব্যঃ। ততশ্চ যথানির্দেশং প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ।

(এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' অথবা Group-'B' দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে)।

Group-'A'

(Sanskrit Composition)

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু অষ্ট প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ। (নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে আটটি প্রশ্নের উত্তর দাও।) 5×8=40
  - (ক) 'হাসবিদ্যকথা' ইতি কথায়াঃ উৎস কঃ? গ্রন্থকারস্য নাম কিম্? কথং তেন গ্রন্থোহয়ং রচিতঃ?  
(‘হাসবিদ্যকথা’ গল্পের উৎস কী? গ্রন্থকারের নাম কী? তিনি কেন এই গল্পগ্রন্থটি রচনা করেছিলেন?)
  - (খ) কিং নাম কাঞ্চীনগর্যাঃ রাজ্ঞঃ? তত্র কতি চৌরাঃ কৈঃ কথং ধৃতঃ? নৃপঃ তেষাঃ কিং দণ্ডবিধানং কৃতবান্?  
(কাঞ্চী নগরীর রাজার নাম কী? সেখানে কতজন চোর কাদের দ্বারা কেন ধরা পড়েছিল? রাজা তাদের কী শাস্তিবিধান করেছিলেন?)
  - (গ) 'উপায়ে সফলে রক্ষা নিষ্ফলে নাধিকং মুতেঃ'—কঃ কেন প্রসঙ্গেন এবং চিন্তিতবান্? শ্লোকাংশস্য তাৎপর্যং ব্যাখ্যায়তাম্। ('উপায়ে সফলে রক্ষা নিষ্ফলে নাধিকং মুতেঃ'—কে কোন্ প্রসঙ্গে কথাটি চিন্তা করেছিলেন? শ্লোকাংশটির তাৎপর্য ব্যাখ্যা কর।)
  - (ঘ) চতুর্থঃ চৌরঃ কাং বিদ্যাং জানাতি? কা তস্যাঃ প্রয়োগবিধিঃ? বিদ্যাপ্রয়োগে কস্য অধিকারঃ বর্ততে? (চতুর্থ চোরটি কী বিদ্যা জানত? সেই বিদ্যার প্রয়োগবিধি কেমন ছিল? বিদ্যাটি প্রয়োগের অধিকার কার ছিল?)
  - (ঙ) 'যুয়ং সর্বেহপি চৌরাঃ'—কোহত্র বভূ(১)? 'সর্ব' ইতি পদেন কে সূচিতাঃ? তেষাং চৌর্যাং কথং প্রমাণিতম্? ('যুয়ং সর্বেহপি চৌরাঃ'—বভূ(১) কে? 'সর্ব' পদের দ্বারা কারা সূচিত হয়েছে? তাদের চুরি কিভাবে প্রমাণিত হয়েছিল?)
  - (চ) 'হাসবিদ্যকথা' পদস্য কা ব্যুৎপত্তিঃ? নামকরণস্য সার্থকতাং নিরূপয়ত। ('হাসবিদ্যকথা' পদটির ব্যুৎপত্তিগত অর্থ লেখ। নামকরণের সার্থকতা বিচার কর।)
  - (ছ) টীকা লেখ্যা—পু(ষপরী(১) (টীকা লেখ—পু(ষপরী(১))
  - (জ) নিবন্ধমেকং লিখত। (একটি নিবন্ধ লেখ।)—বায়ুদূষণম্ অথবা কালিদাসঃ।
  - (ঝ) চতুর্থঃ চৌরঃ কথং মৃত্যুজয়ং কৃতবান্? তদনন্তরং রাজা তেন সহ কিং কৃতবান্? (চতুর্থ চোরটি কিভাবে মৃত্যুকে জয় করেছিল? তারপর রাজা তার সাথে কী করেছিলেন?)
  - (ঞ) অস্তি গৌতমারণ্যে প্রস্তুতযজ্ঞঃ কশ্চিৎ ব্রাহ্মণো গ্রামান্তরাৎ ছাগমুপত্রীয় স্কন্ধে কৃত্বা গচ্ছন্ ধূর্তব্রয়েণাবলোকিতঃ। ততস্তে ধূর্তাঃ—'যদেষঃ ছাগঃ কেনাপ্যুপায়েন লভ্যতে, তদা মতিপ্রকর্যো ভবতি—ইত্যালোচ্য প্রান্তরব্(ব্রয়তলে

त्रे(शान्तरेण तस्य ब्रान्मणस्यागमनं प्रती(य वर्तान्युपविश्य स्थिताः। तत्रैकेन धूर्तेन गच्छन् स ब्रान्मणोहभिहितः  
“भो ब्रान्मण! किमिति गत्वा कुक्कुरं ‘स्फेनोहते?’ विप्रेणोक्तम्, “नायं ढा किञ्च यञ्जच्छागः”।

- १। ब्रान्मणः कुत्र आसीत्?
- २। कुतः स हागमुपद्रवीय अगच्छत्?
- ३। धूर्तत्रयेण का युक्तिः कृता?
- ४। तैः किमुक्तम्?
- ५। तदा तैः किं कृतम्?

अथवा

Group-'B'  
(Basic Sanskrit-part-II)

(२) अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु अष्ट प्रश्नाः समाधेयाः। (निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে আটটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)

5×8=40

क) सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या। (सप्रसङ्ग व्याख्या कर।)

अपि शास्त्रेषु कुशलाः लोकचारविवर्जिताः।

सर्वे ते हास्यतां याञ्चि यथा ते मूर्खपण्डिताः॥

ख) चत्वारः पण्डिताः कान्यकुब्जे किमर्थं गताः? कान्यकुब्जस्य वर्तमानं नाम किम्? तत्र ते कतिबंसरान् विद्यालाभं कृतवन्तः? तदनन्तरं तैः किमुक्तम्? (चारজন পণ্ডিত কান্যকুজে কেন গিয়েছিল? কান্যকুজের বর্তমান নাম কী? তারা সেখানে কতবছর বিদ্যালভ করেছিল? তারপর তারা কী বলল?)

ग) व्याख्या कार्या। (व्याख्या कर।)

आतुरे व्यसने प्राप्ते दुर्भित्ते राष्ट्रविप-वे।

राजद्वारे (मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः॥

घ) ‘आगमिष्यति यं पत्रं तारयिष्यति’—कः केन प्रसङ्गेन एवमुक्तवान्? एवमुक्त्वा सः किं कृतवान्? तस्य परिणामं वर्णयतु। (‘आगमिष्यति यं पत्रं तारयिष्यति’—के कोन् प्रसङ्गे एकथा बलेछिल? এই কথা বলে সে কী করেছিল? তার পরিণাম বর্ণনা কর।)

ङ) ‘दीर्घसूत्री विनश्यति’—कोहं बन्त(ः? सः कदा एवमुक्तवान्? अस्य प्रवादस्य तात्पर्यं किम्? बन्त(ः किमर्थं कृतवान्? (दीर्घसूत्री विनश्यति’—एथाने बन्त(ः के? तिनि कथन एकथा बलेछिलेन? এই प्रवादের তাৎপর্য কী? বন্त(ः কী অর্থ করেছিলেন?)

च) गल्लसाहित्यस्य उद्धवकारणं किम्? नारायणशर्मविरचितस्य गल्लग्रन्थस्य सङ्घे पुपरिचयं ददातु। (गल्लसाहित्ये उद्धवैर कारण कौ? नारायणशर्मा विरचित गल्लग्रन्थे सङ्घे पु परिचय दौ।)

छ) ऎतिहासिककाव्यं किम्? ऎतिहासिककाव्यरूपेण ‘राजतरङ्गिणी इति ग्रन्थस्य ङ(त्रम् आलोच्यताम्। (ऎतिहासिक काव्य काके बले? ऎतिहासिक काव्यरूपे राजतरङ्गिणी ग्रन्थे ङ(त्र आलोचना कर।)

ज) टीका लेख्या। (टीका लेख।)—हर्षचरितम्

झ) टीका लेख्या। (टीका लेख।)—बृहत्कथा

ए( रामायणे बालकाण्डमुत्तरकाण्डं च वाल्मीकिमुनिना रचितं न वेति विचार्यताम्। (रामायणे बालकाण्डे उद्तरकाण्डे वाल्मीकिमुनि रचित कि ना विचार कर।)